हिन्दुस्तान 30-08-2014

...अच्छा तो ऐसे बनती है चीनी

एनएसआई

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 17 प्रोबेशनर्स को गन्ना उत्पादन, मिलिंग, मार्केटिंग, मैनेजमेंट, चीनी के दाम और शुगर रिकवरी सम्बंधी संवादीय जानकारी दी। निदेशक नरेन्द्र मोहन ने गन्ने और चुकन्दर से चीनी बनाने की विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि विश्व में 1750 लाख टन चीनी चाहिए होती है जिसमें 80 फीसदी भरपाई गन्ने से होती है। कई सामाजिक मुद्दों जैसे गन्ना किसानों के रुके हुए भुगतान, गन्ना उत्पादकता आदि पर पूछे सवालों के जवाब भी दिए। चीनी और अल्कोहल के भारतीय परिदृष्य पर भी चर्चा की।

एनएसआई में शुक्रवार को चीनी उत्पादन की तकनीक जानने पहुंचे आईएएस प्रोबेशनर्स।

चीनी मिलों के सह उत्पाद जैसे मोलेसस, एथेनॉल और बगास से बिजली का जिक्र किया। अफसरों ने चीनी मिल भी देखी।

आज 30-08-2014

प्रशिक्षु आईएएस को दी चीनी उत्पादन की जानकारियां

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में बैठक को संबोधित करते निदेशक डॉ. नरेन्द्र मोहन।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 29 अगस्त। जीटी रोड, कल्याणपुर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित सत्रह प्रशिक्षु आईएएस को चीनी उत्पादन, किन जनपदों में गन्ने की खेती, चीनी मिलों की दिक्कतें और किसानों के गन्ने के भुगतान समेत कई प्रमुख बरीकियों के बारे में जानकारियां दी गयी। साथ ही चीनी का उत्पादन घटने और चीनी महंगी होने के आकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। एनएसआई के निदेशक डा. नरेंद्र मोहन ने सभी प्रशिक्षु आईएएस को स्लाइड के माध्यम से देश व प्रदेश में गन्ने की रकवा, चीनी का उत्पादन आदि के बारे में जानकारियां दी। इसके साथ ही गन्ने और शकरकंद से चीनी के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही यूपी में किन जिलों में गन्ने की पैदावार होती है और किसानों के गन्ने के भुगतान में देरी आदि के बारे में जानकारियां दी। इस पर कई प्रशिक्षु आईएएस ने निदेशक से सवाल-जवाब किये तो उन्हें बारीकियां बताई गयी। बाद में प्रशिक्षु आईएएस ने संस्थान में शैक्षिक कैम्पस भी घूमा और जानकारियां ली।